

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

श्री गुरुकृपा अर्बन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के संस्थापक श्री विलास उत्तमराव देशमुख : संघर्ष, शिक्षा और सहकारिता से सफलता की प्रेरक मिसाल

Sanket Morankar

Published on 10 Jul 2026



सफलता केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और समाज के प्रति समर्पण से हासिल होती है। इस विचार को अपने जीवन से साकार करने वाले **श्री विलास उत्तमराव देशमुख** आज महाराष्ट्र के सहकारिता और शिक्षा जगत के सम्मानित व्यक्तित्वों में शामिल हैं। **श्री गुरुकृपा अर्बन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड**, वर्धा के संस्थापक के रूप में उन्होंने न केवल एक मजबूत वित्तीय संस्था की स्थापना की, बल्कि समाज के आर्थिक और शैक्षणिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री विलास उत्तमराव देशमुख का जन्म **7 अक्टूबर 1976** को महाराष्ट्र के **वर्धा जिले के हिवरा गांव** में एक साधारण किसान परिवार में हुआ। आर्थिक परिस्थितियां अत्यंत कठिन थीं, लेकिन परिवार द्वारा दिए गए संस्कार, मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव में पूरी की तथा आगे की पढ़ाई के लिए संघर्षपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी शिक्षा जारी रखी।

उन्होंने आठवीं से दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई मुक्ताबाई छात्रावास, मांडगांव (जिला वर्धा) में रहकर पूरी की। इसके बाद उन्होंने निजी क्षेत्र में कार्य करते हुए अपनी उच्च शिक्षा भी जारी रखी। नौकरी और पढ़ाई को साथ लेकर चलने का उनका संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने स्नातक की शिक्षा यशवंत महाविद्यालय, वर्धा से पूर्ण की और शिक्षा को अपने जीवन का सबसे बड़ा आधार बनाया।

शिक्षा के महत्व को समझते हुए वर्ष **2009** में उन्होंने **आदर्श हाईस्कूल, बोरगांव मेघे** की स्थापना की। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह विद्यालय आज अनेक विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन चुका है। उनका मानना है कि किसी भी समाज का वास्तविक विकास शिक्षा के माध्यम से ही संभव है।

शिक्षा के बाद उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में कदम रखा और **26 दिसंबर 2013** को **श्री गुरुकृपा महिला अर्बन क्रेडिट सोसायटी** की स्थापना की। संस्था ने अल्प समय में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए करोड़ों रुपये के वित्तीय कारोबार तक अपनी मजबूत पहचान बनाई। संस्था की सफलता ने यह सिद्ध किया कि पारदर्शिता, ईमानदारी और ग्राहक विश्वास किसी भी वित्तीय संस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है।

इसके बाद उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए **29 जून 2024** को **श्री गुरुकृपा अर्बन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, वर्धा** की स्थापना की। आज संस्था निरंतर प्रगति करते हुए मजबूत वित्तीय आधार के साथ आगे बढ़ रही है। संस्था का उद्देश्य केवल वित्तीय सेवाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और विश्वास के साथ बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है।

श्री देशमुख का नेतृत्व दूरदर्शी सोच, अनुशासित वित्तीय प्रबंधन और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनके मार्गदर्शन में संस्था ग्राहकों को सुरक्षित निवेश योजनाएं, ऋण सुविधाएं तथा पारदर्शी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराते हुए सहकारिता आंदोलन को मजबूत कर रही है। उनके अनुसार सहकारी संस्था केवल आर्थिक संस्था नहीं, बल्कि समाज के विकास का माध्यम होती है।

उनकी सफलता के पीछे उनके माता-पिता, गुरुओं और परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे हमेशा स्वीकार करते हैं कि जीवन में मिली प्रत्येक उपलब्धि वरिष्ठों के आशीर्वाद, ईमानदार प्रयास और निरंतर सीखने की भावना का परिणाम है। यही विनम्रता उनके व्यक्तित्व को और अधिक सम्माननीय बनाती है।

व्यवसाय और सहकारिता के साथ-साथ श्री विलास देशमुख सामाजिक दायित्वों को भी समान महत्व देते हैं। उनका मानना है कि आर्थिक प्रगति तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के साथ वे शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं।

उनकी भविष्य की सबसे बड़ी आकांक्षा समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक व्यापक कार्य करना है। वे **अनाथ आश्रम और वृद्धाश्रम** की स्थापना कर जरूरतमंद बच्चों एवं बुजुर्गों की सेवा करना चाहते हैं। उनका विश्वास है कि समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों की सेवा ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आज श्री विलास उत्तमराव देशमुख का जीवन उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर शिक्षा, सहकारिता और उद्यमिता के माध्यम से उन्होंने जो सफलता प्राप्त की है, वह संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ निश्चय की जीवंत मिसाल है।

श्री गुरुकृपा अर्बन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के माध्यम से उनका लक्ष्य समाज के अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना, सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना तथा शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में स्थायी योगदान देना है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि कठिन परिस्थितियां कभी भी